भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2157

12 दिसम्बर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष स्वास्थ्य केंद्रों का डिजिटल प्रणाली के साथ एकीकरण

2157. श्री अनुराग शर्मा:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बुंदेलखंड क्षेत्र में राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के अंतर्गत डिजिटल और स्मार्ट निगरानी प्रणालियों के साथ एकीकृत ग्रामीण और शहरी आयुष स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार ने बुंदेलखंड क्षेत्र में आयुष चिकित्सकों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु कोई विशेष कार्य योजना तैयार की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या केन्द्र सरकार, राज्य सरकार के सहयोग से बुंदेलखंड में परम्परागत औषधीय पौधों के संरक्षण, खेती और विकास के लिए परियोजनाएं क्रियान्वित कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

<u>उत्तर</u>

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्य सरकार से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, बुंदेलखंड क्षेत्र में आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) [पूर्व में आयुष स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों के रूप में जाना जाता था] में उन्नयन के लिए 193 आयुष औषधालयों को अनुमोदित किया गया है। इसके अलावा, इन राज्यों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, ये सभी कार्यशील हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) का जिला-वार विवरण संलग्नक पर दिया गया है। इसके अलावा, इन इकाइयों के सुचारू कामकाज और लाभार्थियों को प्रदान की जा रही सेवाओं का विश्लेषण करने के लिए निरंतर निगरानी डिजिटल और फील्ड विज़िट के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से भी की जा रही है।

(ख): जन स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, आयुष चिकित्सकों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए कार्य योजना तैयार करना संबंधित राज्य सरकार के कार्यक्षेत्र में आता है। हालांकि, राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना के तहत, शैक्षणिक संस्थान और आयुष अस्पतालों/औषधालयों में काम करने वाले शिक्षण कर्मचारियों, चिकित्सा अधिकारियों और अन्य पैरामेडिकल कर्मचारियों के लिए लचीले घटक के तहत प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण का प्रावधान है। इस संबंध में, राज्य सरकारें एनएएम दिशानिर्देश के प्रावधानों के अनुसार राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करके वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती हैं।

इसके अलावा, आयुष मंत्रालय वर्ष 2021-22 से, दो घटकों नामतः आयुष में क्षमता निर्माण और सतत चिकित्सा शिक्षा के साथ एक केंद्रीय क्षेत्र योजना, आयुर्ज्ञान भी कार्यान्वित कर रहा है। इसके अलावा, एक तीसरा घटक अर्थात आयुर्वेद जीव विज्ञान एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान, वित्त वर्ष 2023-24

से इस योजना के तहत जोड़ा गया था। क्षमता निर्माण और सीएमई का उद्देश्य आयुष पद्धतियों के विकास के लिए आयुष कर्मियों को आवश्यकता-आधारित व्यावसायिक प्रशिक्षण से गुजरने के लिए प्रोत्साहित करना और व्यावसायिक ज्ञान को उन्नत करने के प्रयोजन से ज्ञान अंतराल को भरने हेतु उत्तम शिक्षण प्रथाओं और उत्तम नैदानिक प्रथाओं को अपनाने, आयुष सुविधाओं में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करने, अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) गतिविधियों में वर्तमान बदलावों के बारे में अद्यतन करना था।

(ग) और (घ): आयुष मंत्रालय ने औषधीय पादपों के विकास और खेती को बढ़ावा देने और कई मंत्रालयों/विभागों/संगठनों के बीच विकास गतिविधियों के सामंजस्य के लिए एक अनुभाग- राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) की स्थापना की है। "औषधीय पादपों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन" के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना एनएमपीबी द्वारा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों सहित विभिन्न हितधारकों की सुविधा के लिए औषधीय पादपों की खेती और संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए शुरू की गई एक ऐसी ही योजना है।

*****

संलग्नक

राज्यों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, बुंदेलखंड क्षेत्र में आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) का जिले-वार विवरण

क्र.सं.	राज्य	जिला	कार्यशील आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) की संख्या
1	उत्तर प्रदेश	ललितपुर	20
2		जालौन	31
3		महोबा	8
4		हमीरपुर	7
5		बांदा	12
6		चित्रकूट	5
7		झांसी	1
8	मध्य प्रदेश	दतिया	12
9		टीकमगढ़	17
10		चतरपुर	21
11		पन्ना	15
12		दमोह	15
13		सागर	29